टमटम ने थामी शहर की रफ्तार

20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाले बैटरी वाहन बन रहे हैं यातायात व्यवस्था के लिए चुनौती

सुनील गोयल

ग्वालियर 14 जुलाई. शहर में करीब बारह हज़ार पंजीकृत ई-रिक्शा अब शहरी यातायात व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। मुख्य बाजारों जीवाजी चौक, सराफा दौलतगंज हॉस्पिटल रोड, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अस्पतालों के आसपास इनकी अव्यवस्थित आवाजाही के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनती है और दुर्घटना का खतरा भी बढ़ जाता है।

ई-रिक्शा मूलत: पर्यावरण अनुकूल, कम किराये वाला और आम नागरिकों की पहुंच बढ़ाने वाला सार्वजनिक परिवहन साधन है। धीमी रफ्तार और छोटा आकार इन्हें संकरी सड़कों व पुरानी बस्तियों के लिए उपयुक्त बनाते हैं, लेकिन जब ये गलत दिशा में चलें, बीच सड़क पर सवारी चढ़ाए उतारें और कहीं भी खड़े हो जाएँ तो यही सुविधा अव्यवस्था में बदल जाती है। युवा व्यवसायी लवी कुमार का कहना है ई-रिक्शा चालक के वन-वे सड़कों पर उल्टी दिशा से प्रवेश और अचानक ब्रेक लगाने से पीछे आ रहे वाहनों के लिए टक्कर का खतरा हमेशा बना रहता है। ई-रिक्शा का संचालन नाबालिग के हाथ होने से दुर्घटना होने का भी भय बना रहता है।

सराफा व्यापारी रामजी अग्रवाल शिकायत करते हैं कि बाज़ारों में सड़क किनारे या चौराहों

के पास खड़े ई-रिक्शा सड़क की उपयोगी चौड़ाई घटा देते हैं। इससे पार्किंग का संकट गहराता है और वाहन रेंगते हुए निकलते हैं। यात्रा समय बढ़ाने के साथ ईंधन की बर्बादी और नागरिकों की झुंझलाहट दोनों बढ़ती हैं। दूसरी ओर, ई-रिक्शा चालकों का पक्ष यह है कि यही वाहन उनकी रोज़ी-रोटी का मुख्य साधन हैं, वहीं ई-रिक्शा चालक संजय जाटव का कहना है शहर में पर्याप्त अधिकृत स्टैंड व स्पष्ट रूट नहीं होने के कारण व्यावहारिक मजबूरियों में वे सड़क पर जहां जगह मिलती है, वहीं से सवारी उठाने-छोड़ने लगते हैं।आकाश पाल ने अपनी व्यथा मे बताया कि स्मार्ट सिटी तो नाम की है, ई चार्जिंग स्टेशन का अभाव है जिसके कारण सभी रिक्शा चालक परेशान है।

डीएसपी ट्रेफिक अजित सिंह चौहान का कहना है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई की जाती है, लेकिन केवल चालान और जब्ती से स्थायी समाधान नहीं निकलता। सीमित बल और संसाधनों के बीच हर चौराहे पर चौबीसों घंटे निगरानी संभव नहीं है। स्थायी सुधार तभी संभव है जब प्रशासन, पुलिस, चालक और नागरिक सभी मिलकर नियमों के प्रति सहमति और सहयोग का वातावरण बनाएं।

समाधान की दिशा स्पष्ट है...

अभिभाषक अनंत दुबे ने सुझाव दिया पहला, शहर के प्रमुख स्थानों पर निर्धारित ई-रिक्शा स्टैंड बनाए जाएँ, जहाँ से ही सवारी चढ़ाने-उतारने की अनुमति हो। दूसरा, ई-रिक्शा के लिए निश्चित रूट और शिफ्ट तय किए जाएँ, ताकि एक ही समय में एक ही कॉरिडोर पर अनियंत्रित संख्या में वाहन न चलें। तीसरा, पंजीकरण और परमिट की नियमित जाँच हो, बिना रजिस्ट्रेशन या नियमों का बार-बार उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। चौथा, चालकों के लिए समय-समय पर यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा और नागरिक व्यवहार का प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाए।

सबसे अहम बात यह समझना है कि समस्या का हल ई-रिक्शाओं पर प्रतिबंध नहीं, बल्कि उनके सुव्यवस्थित संचालन में है। यदि समय रहते स्पष्ट नीति बनाकर स्टैंड, रूट, संख्या और प्रशिक्षण की व्यवस्था लागू कर दी जाए, तो ई-रिक्शा ग्वालियर की यातायात व्यवस्था पर बोझ बनने के बजाय एक सुलभ, सुरक्षित और स्थायी परिवहन विकल्प के रूप में अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

प्रमुख बाजारों से हटाया अस्थाई अतिक्रमण

ग्वालियर,14 जुलाई. नोडल अधिकारी मदाखलत केशव सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देशानुसार मदाखलत अधिकारी सतेंद्र भदौरिया के निर्देश पालन में क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक -15 के क्षेत्राधिकारी विपिन दुबे द्वारा बताये स्थानों डीडवाना ओली में चल रहे निर्माण कार्य को बंद करवाया। साथ ही मदाखलत बाहन द्वारा अलाउनमेंट कर गुड़ामंडी के बाहर यातायात अबरुद्ध हाथ ठेलों को हटवाया जाकर सख्त हिदायत दी गई कि पुन: सड़क पर हाथ ठेले खड़े पाए जाने पर जप्ती की कार्यवाही की जाबेगी। कार्यवाही के दौरान मदाखलत निरीक्षक आजाद खान सहित दल दक्षिण मौके पर मौजूद रहा। इसके साथ ही ग्वालियर विधानसभा अंतर्गत मदाखलत अधिकारी रवि कुमार कोरी के निर्देशन में किलागेट रोड़ इंटक मैदान रोड़, चार शहर का नाका रोड़, हजीरा चौराहा यातायात में बाधक हाथ ठेलों, को हटवाकर आवागमन मार्ग क्लियर करवाया गया।

कारोबारी के घर से करोड़ों के जेवर और नकदी पार

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 14 जुलाई. शहर के आदित्यपुरम इलाके में एक प्रॉपर्टी कारोबारी के घर को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए करीब एक करोड़ रुपये के जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

अफसरों ने फॉरेंसिक टीम व डॉग स्क्वॉड के साथ घटनास्थल का जायजा लिया

आदित्यपुरम निवासी प्रॉपर्टी कारोबारी और ठेकेदार राजा भैया गुर्जर सोमवार को अपने परिवार के साथ भोपाल से वापस लौटे थे। वे परिवार के साथ गोहद स्थित कालिका माता मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए गए थे। रात करीब 11:02 बजे जब वे वापस घर पहुंचे और ऊपरी मंजिल का दरवाजा खोला, तो अंदर का नजारा देख उनके होश उड़ गए। कमरे में सारा सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी में रखे जेवरात व नकदी के बॉक्स खाली थे। यह देखकर

उनकी पत्नी सदमे में बेहोश हो गईं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए एएसपी, सीएसपी और महाराजपुरा थाना प्रभारी यशवंत गोयल ने फॉरेंसिक टीम व डॉग स्क्वॉड के साथ घटनास्थल का जायजा लिया।

इस मामले में पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती सीसीटीवी फुटेज को लेकर है। कारोबारी के घर में सीसीटीवी कैमरे लगे तो हैं, लेकिन वे सिर्फ निचली मंजिल पर हैं। चोरों ने ऊपरी मंजिल पर वारदात को अंजाम दिया, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं थे, जिससे उनकी कोई गतिविधि रिकॉर्ड नहीं हो सकी। पुलिस अब उस रास्ते और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी खंगाल रही है, जिनसे चोरों के आने-जाने की संभावना है। थाना प्रभारी यशवंत गोयल ने बताया कि पीड़ित परिवार की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एयरपोर्ट पर प्राथमिक चिकित्सा सुविधा शुरू, BIMR हॉस्पिटल्स संभालेगा कमान

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 14 जुलाई. सिविल एयरपोर्ट ग्वालियर पर यात्रियों और विमानतल स्टाफ की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। एयरपोर्ट पर प्राथमिक उपचार सुविधा प्रदान करने हेतु एक आधुनिक मेडिकल रूम की शुरुआत की गई है, जिसका संचालन शहर का प्रतिष्ठित संस्थान बीआईएमआर हॉस्पिटल्स ग्वालियर करेगा। उद्घाटन कार्यक्रम में बीआईएमआर हॉस्पिटल प्रबंधन और एयरपोर्ट अथॉरिटी के वरिष्ठ प्रबंधक मुख्य रूप से मौजूद रहे। यह मेडिकल रूम विमानों के संचालन समय के दौरान पूरी तरह सक्रिय रहेगा। इसका उद्देश्य यात्रा के दौरान किसी भी यात्री या ड्यूटी पर तैनात स्टाफ की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें तुरंत मौके पर ही डॉक्टरी सहायता उपलब्ध कराना है। मेडिकल स्टाफ को आपात स्थितियों के लिए पूरी तरह तत्पर है.

जिला कोषालय में 16 व 17 को लगेगा विशेष शिविर

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 14 जुलाई. ग्वालियर कलेक्ट्रेट स्थित जिला कोषालय में विभिन्न शासकीय विभागों के आहरण एवं संवितरण अधिकारियों के लिये 16 व 17 जुलाई को विशेष शिविर लगाया जायेगा। इस दो दिवसीय शिविर में आईएफएमआईएस (इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम) से जुड़ी तकनीकी समस्याओं का समाधान किया जायेगा।

वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्रीमती वैशाली आनंद ने बताया कि जिले के सभी शासकीय विभागों में वित्तीय भुगतान की प्रक्रिया आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से संचालित की जाती है। सॉफ्टवेयर के उपयोग के दौरान आने वाली तकनीकी समस्याओं के त्वरित समाधान तथा प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 'आईएफएमआईएस केयर्स थीम' पर यह विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि शिविर में आहरण एवं संवितरण अधिकारियों की आईएफएमआईएस से संबंधित तकनीकी समस्याओं का मौके पर समाधान किया जाएगा। साथ ही, सॉफ्टवेयर को और अधिक उपयोगी एवं सुगम बनाने के लिए अधिकारियों से सुझाव भी प्राप्त किए जाएंगे।

एपीके फाइल डाउनलोड करते ही खाली हुए खाते

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 14 जुलाई. शहर में साइबर ठगी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ठगों ने अब आम लोगों को निशाना बनाने के

शहर में साइबर ठगों का आतंक

लिए नए-नए हथकंडे अपना लिए हैं, जिससे लोगों की जीवन भर की जमा-पूंजी खतरे में पड़ गई है। हाल ही में सामने आए तीन अलग-अलग मामलों में ठगों ने पीड़ितों के खातों से 5.81 लाख रुपये से अधिक की रकम पार कर दी है।

पहला मामला: पेंशन कार्ड का झांसा

महाराजपुरा थाना क्षेत्र के डीडी नगर निवासी 66 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी अनूप कुमार चौबे साइबर ठगी का शिकार हुए। 10 जुलाई को उन्हें फेसबुक पर पेंशन कार्ड बनवाने का एक विज्ञापन दिखा, जिस पर क्लिक करते ही उन्हें एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉलर के कहने पर उन्होंने व्हाट्सएप पर आई एक एपीके फाइल डाउनलोड की, जिससे उनका मोबाइल हैक हो गया और उनके खाते से तीन बार में 1.73 लाख रुपये निकाल लिए गए।

दूसरा मामला: बिना कॉल-मैसेज, खाते से 2.71 लाख गायब

एक अन्य मामले में, झांसी रोड थाना क्षेत्र के सिंध विहार निवासी विकास अग्रवाल की माताजी माया अग्रवाल के पीएनबी खाते से 2.71 लाख रुपये अज्ञात ठगों ने उड़ा लिए। विकास ने बताया कि 29 जून को जब उन्होंने पासबुक अपडेट कराई, तो लाखों की निकासी का पता चला। हैरानी की बात यह है कि इस दौरान न तो उन्हें कोई कॉल आया और न ही उन्होंने कोई ओटीपी साझा किया था।

तीसरा मामला: बिना जानकारी के 1.37 लाख की चपत

हेमसिंह की परेड स्थित सिंध आदर्श कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय बृजेश तलरेजा के बैंक ऑफ इंडिया खाते से भी ठगों ने 1.37 लाख रुपये निकाल लिए। 24 मई को खाते से अचानक पैसे कटने के मैसेज आने पर उन्हें ठगी का अहसास हुआ। इस मामले में माठौगंज थाना पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सावधान रहें!

पीड़ितों ने साइबर हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराई है और संबंधित थानों में मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस आम नागरिकों से अपील कर रही है कि किसी भी अनजान लिंक या एपीके फाइल को डाउनलोड करने से बचें, अन्यथा आपकी एक छोटी सी चूक आपकी गाढ़ी कमाई को खतरे में डाल सकती है।

66 वार्डों में 189 बल्क वेस्ट जनरेटर हुए चिन्हित

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 14 जुलाई. -स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत शहर में कचरा उत्पादन करने वाले बल्क वेस्ट जनरेटरों का सर्वे किया जा रहा था, इस सर्वे में 189 बल्क वेस्ट जनरेटर चिन्हित किए गए हैं। चिन्हित स्थानों पर रहवासी एवं व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने वालों को नगर निगम गीला कचरे से खाद बनाने की टेऊनिंग देगा।

अपर आयुक्त टी प्रतीक राव ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत आए नये नियमों के तहत जिस स्थान पर प्रतिदिन 40000 लीटर पानी का उपयोग किया जाता है एवं 100 किलो कचरा प्रतिदिन निकलता है। इसके साथ ही जहां पर 20000 स्क्वायर फीट की इमारत का उपयोग किया जा रहा है, वह सभी बल्क वेस्ट जनरेटर की कैटेगरी में शामिल किए गए हैं। पूर्व में रहवासी क्षेत्रों को बल्क वेस्ट जनरेटर की कैटेगरी में शामिल किया गया था। नए नियमों के चलते नगर निगम ने बल्क वेस्ट जनरेटरों के लिए प्रत्येक वार्ड का सर्वे कराया था, इस सर्वे के तहत व्यावसायिक हॉस्पीटल, कॉलेज, स्कूल, मल्टी स्टोरी, आदि भी बल्क वेस्ट जनरेटर्स में शामिल किए गए हैं। चिन्हित किए गए बल्क वेस्ट जनरेटर्स में नगर निगम द्वारा गीले कचरे का मौके पर ही निस्तारण के लिए पिट तैयार कराई जाएगी.

15 अगस्त से पूर्व संग्रहालय के कार्य पूर्ण करें- निगमायुक्त

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 14 जुलाई. नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने निर्माणाधीन

हुरावली पुलिया पर जुलाई अंत तक निकलने की करें वैकल्पिक व्यवस्था

प्रोजेक्टों का निरीक्षण कर कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने संग्रहालय का निरीक्षण किया और अधिकारियों को 15 अगस्त से पूर्व कार्य पूर्ण

करने के निर्देश दिए।

नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने सबसे पहले सिरोल स्थित पीएम आवास का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि अभी तक एम-1 एवं एम-2 में 10 रजिस्ट्रियां हो चुकी हैं। उन्होंने एक माह के अंदर पीएम आवास पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद उन्होंने सचिन तेंदुलकर मार्ग के तहत निर्माणाधीन पुलिया का निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हुरावली पुलिया पर जुलाई के अंत तक वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था करें जिससे आमजनों को निकलने में परेशानी ना हो।

निगमायुक्त संघ प्रिय ने कन्वेंशन सेंटर का निरीक्षण किया और अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं मल्टीलेवल कार पार्किंग में निगमायुक्त ने वर्तमान कार्य की प्रगति रिपोर्ट अधिकारियों को देने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री सुशील कटारे, श्रीकांत कांटे, सहायक यंत्री मनीष यादव, अमित गुप्ता, पवन शर्मा, रामबाबू दिनकर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निगमायुक्त ने सुनी आमजन की समस्याएं

ग्वालियर 14 जुलाई. जनसुनवाई में आने वाली समस्याओं का निराकरण गंभीरता पूर्ण के साथ संतुष्टिपूर्ण करें तथा जनसुनवाई में आने वाले आवेदनों का निराकरण समय सीमा में किया जाए। उक्ताशय के निर्देश नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने संबंधित अधिकारियों को जनसुनवाई में दिए। जनसुनवाई में अपर आयुक्त प्रदीप तोमर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सिटी सेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में 42 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण के निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट में 130 आमजनों की समस्याओं की हुई सुनवाई

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 14 जुलाई. कलेक्ट्रेट में मंगलवार को हुई जन-सुनवाई में 130 आमजनों की समस्यायें सुनी गई। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जन-सुनवाई में पहुँचे लोगों को अपने कक्ष में बुलाकर सम्मानपूर्वक एक - एक कर समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट के सभागार में अपर कलेक्टर कुमार सत्यम,

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत व अपर जिला दंडाधिकारी सी बी प्रसाद सहित जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की। कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली, पुलिस इत्यादि विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जमीन संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए.

जेयू के विधि विभाग में नए सत्र का हुआ शुभारंभ

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 14 जुलाई. जीवाजी विश्वविद्यालय के विधि विभाग में मंगलवार को नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य ने कहा कि

नया बैच अपनी उपलब्धियों से नए कीर्तिमान स्थापित करेगा और विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय व अभिभावकों का नाम रोशन करने का आह्वान किया। विभागाध्यक्ष डॉ. जी.के. शर्मा ने विधि शिक्षा को न्याय और मानवता की सेवा का माध्यम बताया। जिला न्यायालय के रजिस्ट्रार भूपेंद्र सिंह कुशवाह ने अर्जित ज्ञान का उपयोग समाज और राष्ट्रहित में करने की प्रेरणा दी। डीएसपी कृष्णपाल सिंह, प्रो. एस.के. सिंह और प्रो. जे.एन. गौतम ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गुंजन सिंघल ने तथा आभार प्रदर्शन प्रो. संजय कुलश्रेष्ठ ने किया। इस अवसर पर प्रो. जे.एन. गौतम, प्रो. संजय कुलश्रेष्ठ, डॉ. एस.के. सिंह, डॉ. जी.के. शर्मा, डॉ. रामशंकर सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

निगम अमला तत्परता से भर रहा है सड़कों के गड्ढे

ग्वालियर,14 जुलाई. सहायक यंत्री अमित गुप्ता ने बताया कि नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देशानुसार निगम के अमले द्वारा निरंतर सुगम यातायात एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न सड़कों पर पेच रिपेयरिंग का काम किया जा रहा है। जिसके तहत वार्ड खुरैरी गांव, देव नगर, मऊ पुल के नीचे मल्ल गढा थाना, लाल टिपारा गौशाला, ललियापुरा, मॉ शीतला विहार कॉलोनी, गोल पहाडिया लक्ष्मीगंज रोड, हेलीपेड कॉलोनी, सिंधी कॉलोनी मैस्कोर्ट हॉस्पिटल के पास, गड्डे वाला मोहल्ला सिकंदर कम्पू, मऊ जम्हार वाली रोड, आनंद नगर, डीडी नगर आदित्य पुरम, सी सेक्टर स्काई पार्क स्कूल के सामने डीडी नगर, सहित अनेक स्थानों पर पेंच रिपेयरिंग कर यातायात को सुगम बनाया गया।

NIFTEE-2026 में ऑल इंडिया रैंक-106 हासिल करने वाली सलोनी का ईपीएफओ में सम्मान

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 14 जुलाई. राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) द्वारा आयोजित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी प्रवेश परीक्षा (NIFTEE)-2026 में ऑल इंडिया कॉमन मेरिट रैंक (AICMR)-106 प्राप्त कर

रिजनल कमिश्नर, सत्यवर्धन गौतम ने शील्ड प्रदान कर दी शुभकामनाएँ

उल्लेखनीय सफलता अर्जित करने वाली ग्वालियर की प्रतिभाशाली छात्रा सुश्री सलोनी जैन, सुपुत्री श्री प्रदीप जैन, को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), क्षेत्रीय कार्यालय, ग्वालियर के रिजनल कमिश्नर श्री सत्यवर्धन गौतम ने उन्हें शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया.

सुश्री सलोनी जैन ने देश की प्रतिष्ठित NIFTEE-2026 परीक्षा में ऑल इंडिया कॉमन मेरिट रैंक-106 प्राप्त कर ग्वालियर एवं मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि के आधार पर उनका नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (NIFT), बेंगलुरु के बैचलर ऑफ डिजाइन (B.Des.) पाठ्यक्रम में प्रवेश सुनिश्चित हुआ है।

इस अवसर पर श्री सत्यवर्धन गौतम ने कहा कि देश की सबसे प्रतिष्ठित एवं प्रतिस्पर्धात्मक प्रवेश परीक्षाओं में उत्कृष्ट राष्ट्रीय रैंक प्राप्त करना सुश्री सलोनी जैन की असाधारण प्रतिभा, कठिन परिश्रम, अनुशासित तैयारी और शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रमाण है।

इस अवसर पर श्री गौतम ने कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, ग्वालियर द्वारा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ अर्जित करने वाले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को निरंतर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया जा रहा है। ऐसे प्रयासों का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करना तथा उन्हें अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है।

सम्मान प्राप्त करने के उपरांत सुश्री सलोनी जैन ने श्री सत्यवर्धन गौतम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक है.

कार्यालय आयुक्त, नगर पालिक निगम, ग्वालियर

प्र.क्र. 127/25, 50/26, 52/26, 57/26×6/4/विद्युत ग्वा. दिनांक 14/7/2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयमक प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट पोर्टल http://www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र.	टेण्डर क्र./ जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_477235_6 dated 08.07.2026	Providing, Supplying, Erection testing & Commissioning of pole at Ward Samiti 08 (Ward 37) File No. 127/25x6/4	60 days 68,840 .5/-	Rs. 1,000/- Rs. 1,377/-	24-07-2026
2.	2026_UAD_512418_2 dated 08.07.2026	Repairing of motor File No. 50/26x6/4	365 days 500000/-	Rs. 2,000/- Rs. 5,000/-	24-07-2026
3.	2026_UAD_512375_2 dated 08.07.2026	Comprehensive maintenance & repairing work of Watercooler at various place of Nagar Nigam File No. 52/26x6/4	365 days 500000/--	Rs. 2,000/- Rs. 5,000/-	24-07-2026
4.	2026_UAD_512530_2 dated 08.07.2026	providing, Supplying Erection, testing & commissioning of pole & light at ward 48 Khatushyam Colony File No. 57/26x6/4	60 days 1089064	Rs. 2,000/- Rs. 8,168/-	24-07-2026

नोट: -निविदा संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
R.o.क्र. 499 दिनाक . 14/07/26

सहायक यंत्री (विद्युत)
नगर पालिक निगम ग्वालियर

केनरा बैंक Canara Bank भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking सिंडिकेटबैंक SyndicateBank

क्षेत्रीय कार्यालय: प्रथमतल साईं बाबा कॉम्पलेक्स,जीडीए बिल्डिंग के पास, फूलबाग, ग्वालियर फोन: 0751-2423126

कब्जा सूचना (अचल संपत्ति हेतु)

अधोहस्ताक्षरकर्ता केनरा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (12) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित ऋणधारी को निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज राशि एवं सहित नोटिस प्राप्ति के 60 दिन की समय अवधि के भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था ऋणी निर्धारित समय सीमा में ऋण का भुगतान करने में असफल रहा है। अत: ऋणी/जमानतदार एवं सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम (8 एवं 9) के अंतर्गत नीचे वर्णित संपत्ति का अधिग्रहण कर लिया है। ऋणग्रहीता को विशिष्टयता और सर्वसाधारण को सामान्यत: एतद् द्वारा निम्नलिखित संपत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिए केनरा बैंक की संबंधित शाखा के अधीन होगा। ऋणी एवं जमानतदारों का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को उपलब्ध समय में छुड़ाने (Redeem करने) के संबंध में अधिनियम की धारा (8) के प्रावधानों के तहत आकर्षित किया जाता है।

ऋणी एवं संपत्ति मालिक/जमानतदार का नाम	नोटिस के अनुसार राशि	बंधक रखी संपत्ति का विवरण
शाखा: केनरा बैंक, शिंदे की छावनी, Ph. 89899-92551, E-mail : cb5555@canarabank.com		
ऋणी: श्री भाग चंद खटीक पुत्र श्री सुन्दरलाल खटीक पता: 12, हैदर गंज, लश्कर ग्वालियर मध्य प्रदेश - 474001	₹ 7,24,069.37/- + ब्याज एवं अन्य खर्चे-वसूली मांग नोटिस दिनांक 06-04-2026 कब्जा दिनांक 13-07-2026 सांकेतिक कब्जा	संपत्ति स्वामी - श्री भाग चंद खटीक पिता श्री सुंदरलाल खटीक - संपत्ति हेम सिंह की परेड, लश्कर, ग्वालियर में स्थित है, क्षेत्रफल 322 वर्गफुट और 29.92 वर्ग मीटर। चतुर-सीमाएँ: पूर्व- गुड्डी का घर, पश्चिम: रोड निगम, उत्तर: नकटूराम का घर, दक्षिण: भैया लाल का घर।

स्थान: ग्वालियर दिनांक: 14/07/2026 प्राधिकृत अधिकारी कैनरा बैंक

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिये मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा सिटी सेंटर, ग्वालियर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., सिटी सेंटर से मुद्रित. संपादक हरीश दुबे* समाचार संपादक- अनिल शर्मा, फोन-0751-4086200, फैक्स- 2343200 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार डाक पंजीयन क्रमांक 507/2008/ग्वा. RNI Reg. No. 62237/95